रूबी ब्रिजिस
स्कूल गई
मेरी सत्य कथा

रूबी ब्रिजिस

स्कूल गई

मेरी सत्य कथा

गोरे मोहल्ले में हमें सिर्फ गोरे किराएदार चाहिए!

बहुत समय पहले
कुछ लोग सोचते थे कि श्वेत लोगों और
अश्वेत लोगों को आपस में मेलजोल नहीं
रखना चाहिए.
कुछ जगहों पर
अश्वेत लोगों को श्वेत लोगों के
पड़ोस में रहने की
अनुमति न थी.

WE WONT GO
TO SCHOOL
WITH NEGROES
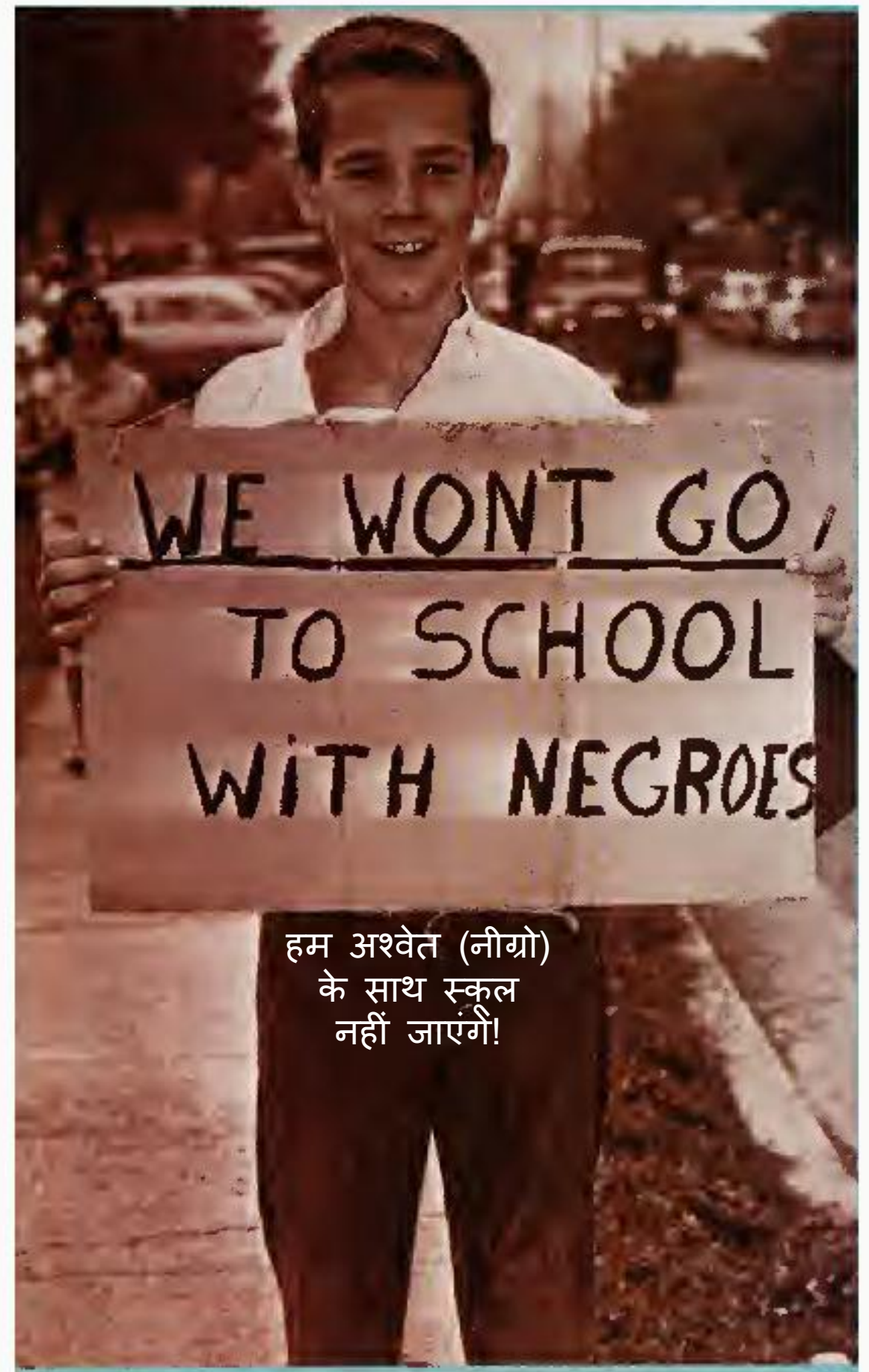
हम अश्वेत (नीग्रो)
के साथ स्कूल
नहीं जाएंगे!
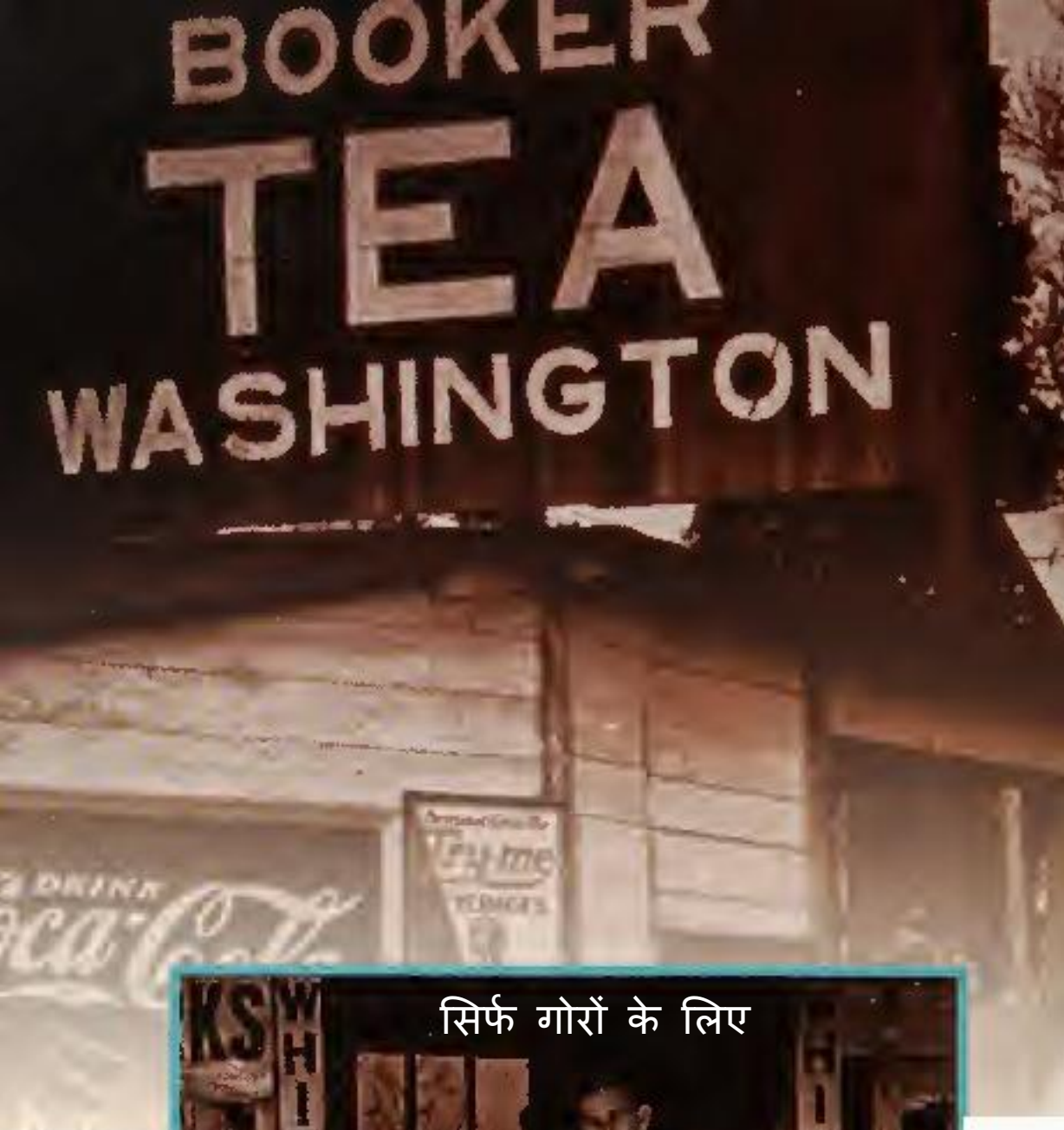
कुछ जगहों पर
अश्वेत लोगों को उन रेस्टोरेंट में
जाने की अनुमति न थी
जहाँ श्वेत लोग जाते थे.

और कुछ जगहों में
अश्वेत बच्चे और श्वेत बच्चे एक स्कूल
में एक साथ न पढ़ सकते थे.
इसे पृथग्वास कहा जाता था.

यूनाइटेड स्टेट्स की सरकार का कहना था :
“पृथग्वास गलत है.”
लोग को वहाँ रहना चाहिए
जहाँ वह रहना चाहें.
लोगों को वहाँ खाना चाहिए
जहाँ वह खाना चाहें.
बच्चों को उन स्कूलों में जाना
चाहिए जहाँ वह जाना चाहें.

मेरा नाम रूबी ब्रिजिस है.
१९६० में मैंने
अश्वेत बच्चों के एक स्कूल की
किंडरगार्टन कक्षा में प्रवेश लिया.
मुझे अपना स्कूल अच्छा लगा.
मुझे अपने अध्यापक अच्छे लगे.
मुझे अपने मित्र अच्छे लगे.

वहाँ श्वेत बच्चों के लिए
एक स्कूल था जो
मेरे घर के अधिक
निकट था.
यह स्कूल था विलियम फ्रैन्त्ज़
एलीमेंट्री स्कूल.

सरकार ने कहा:
“रूबी ब्रिजिस को विलियम फ्रैन्त्ज़
स्कूल में प्रवेश दिया जाए.”
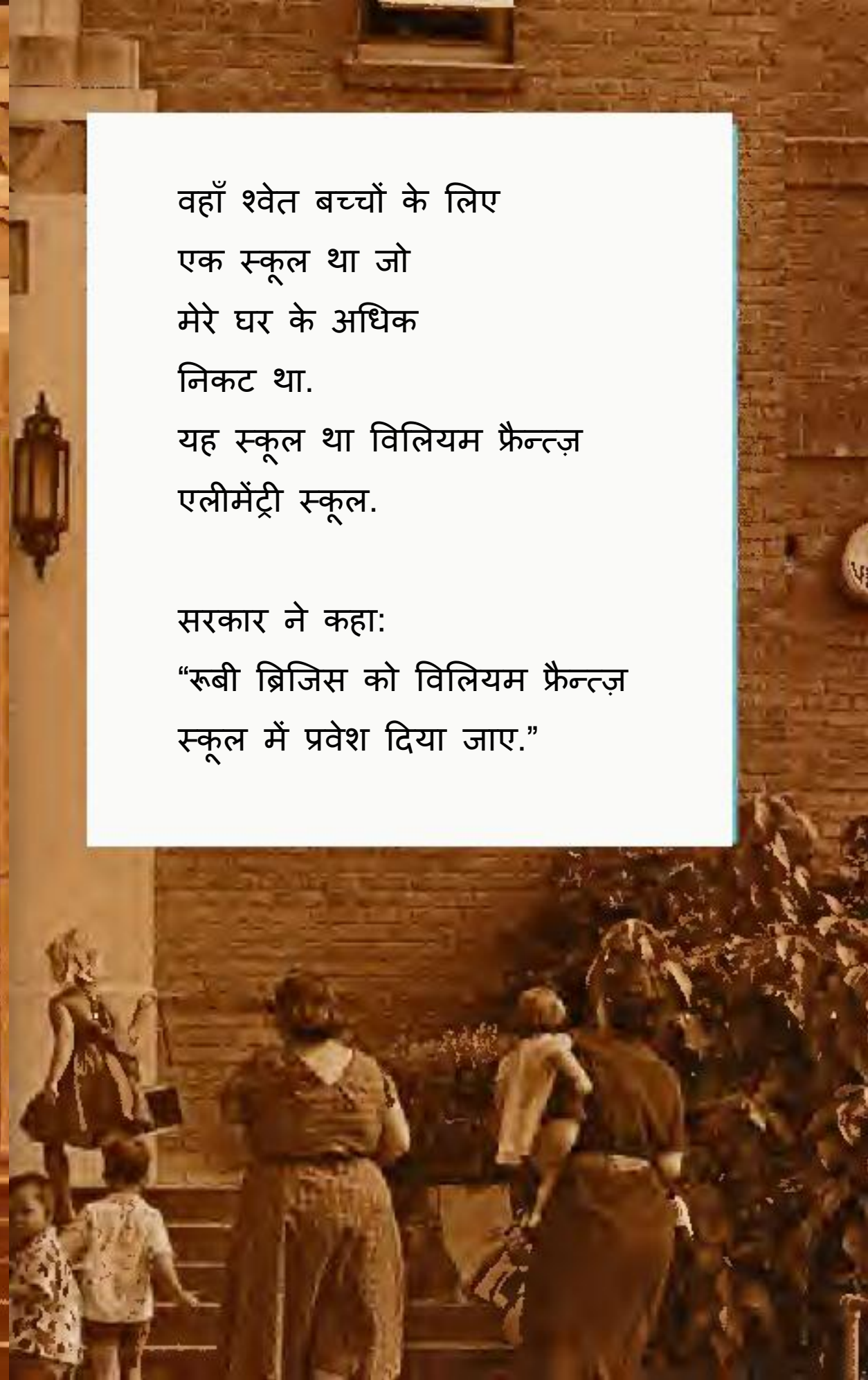
१९६१ में मैं पहली कक्षा में थी.
मेरी माँ मुझे विलियम फ्रैन्त्ज़
स्कूल ले गई.
हमारी सुरक्षा के लिए
मार्शल हमारे साथ आये.

कुछ लोग चाहते थे कि एक अश्वेत बच्चे को श्वेतों के स्कूल में प्रवेश न दिया जाए.

वह स्कूल के समीप इकट्ठे हो गये. उन्होंने चिल्ला कर मुझे लौट जाने के लिये कहा.

श्वेत लोगों ने अपने
बच्चों को स्कूल से निकाल लिया.
मैं अपनी अध्यापिका, मिसेज़ हेनरी,
के साथ अकेली रह गई.
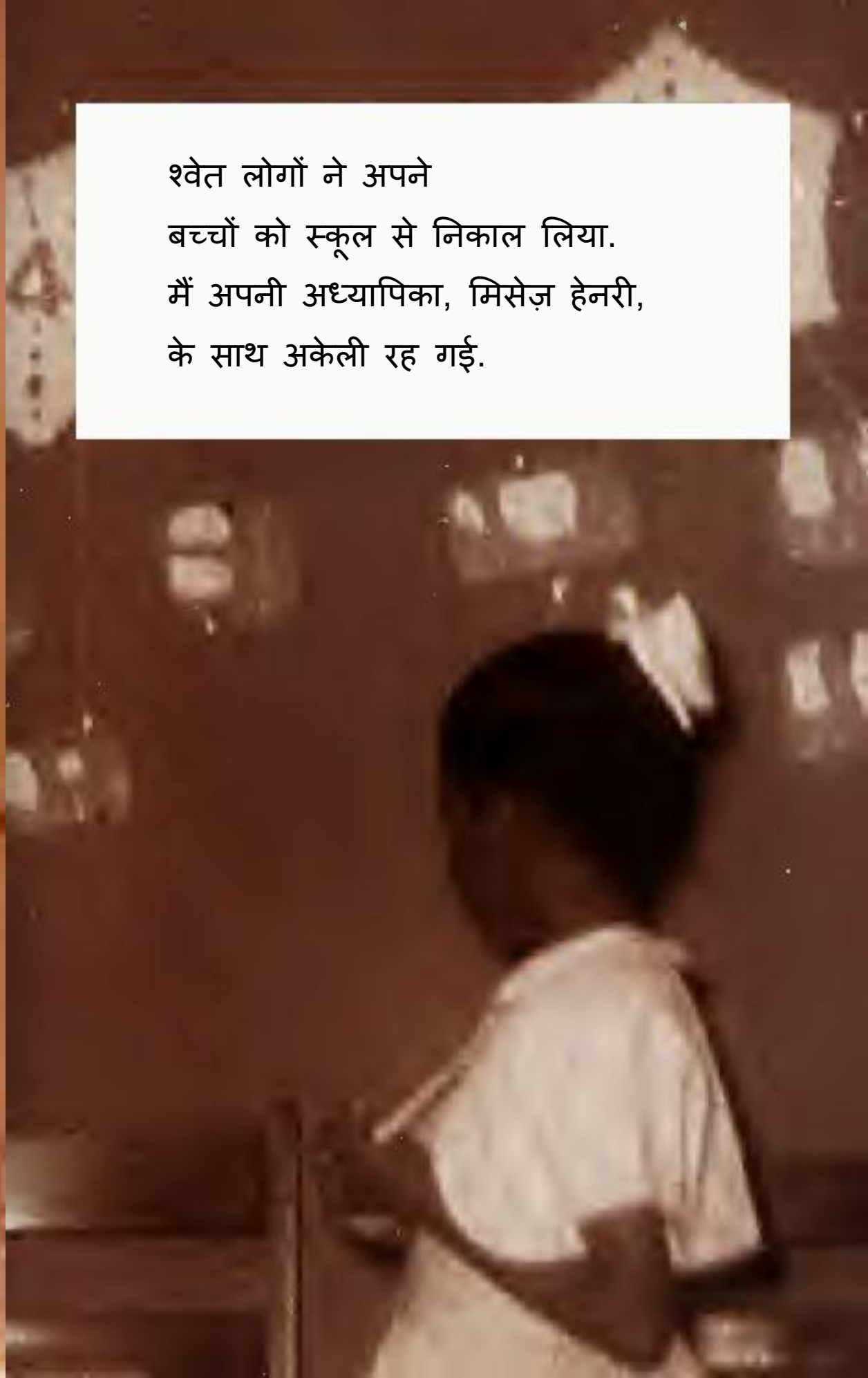
मैं मिसेज़ हेनरी से प्यार करती थी.

और मिसेज़ हेनरी मुझे प्यार करती थी.

मैं बहुत अच्छी विद्यार्थी थी.

मैंने गणित सीखा.

मैंने पढ़ना सीखा.

लेकिन मेरी इच्छा थी कि

अन्य बच्चे स्कूल लौट आयें.

कई माह बीत गये.
फिर एक दिन,
बच्चे स्कूल लौटने लगे.

आखिरकार, खेलने के लिए
मुझे मित्र मिल ही गए.
मैं बहुत प्रसन्न थी.

मेरे विषय में कई लोगों ने
समाचार पत्रों और पुस्तकों में पढ़ा.
एक प्रसिद्ध लेखक, जॉन स्टाइनबैक,
ने मेरे बारे में लिखा.
उन्होंने लिखा कि
मैं एक बहादुर लड़की थी.
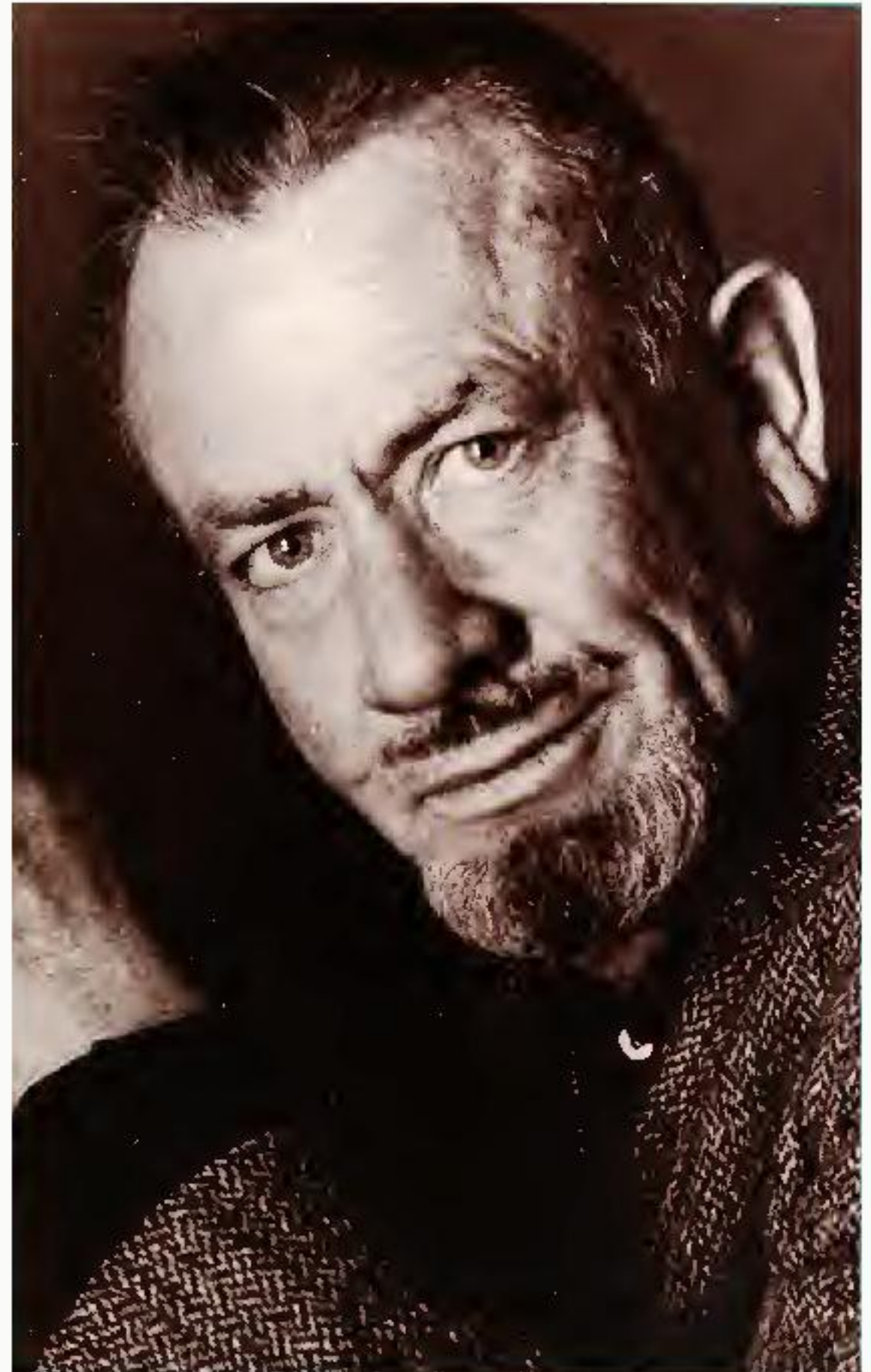
राष्ट्रपति की पत्नी, एलेनॉर रूसवेल्ट,
ने मुझे एक पत्र लिखा.
पत्र में उन्होंने लिखा था कि
मैं एक अच्छी अमेरिकन थी.
नार्मन रॉकवेल एक चित्रकार थे.
उन्होंने मेरा एक चित्र बनाया.
यह पेंटिंग बहुत
प्रसिद्ध हो गई है.
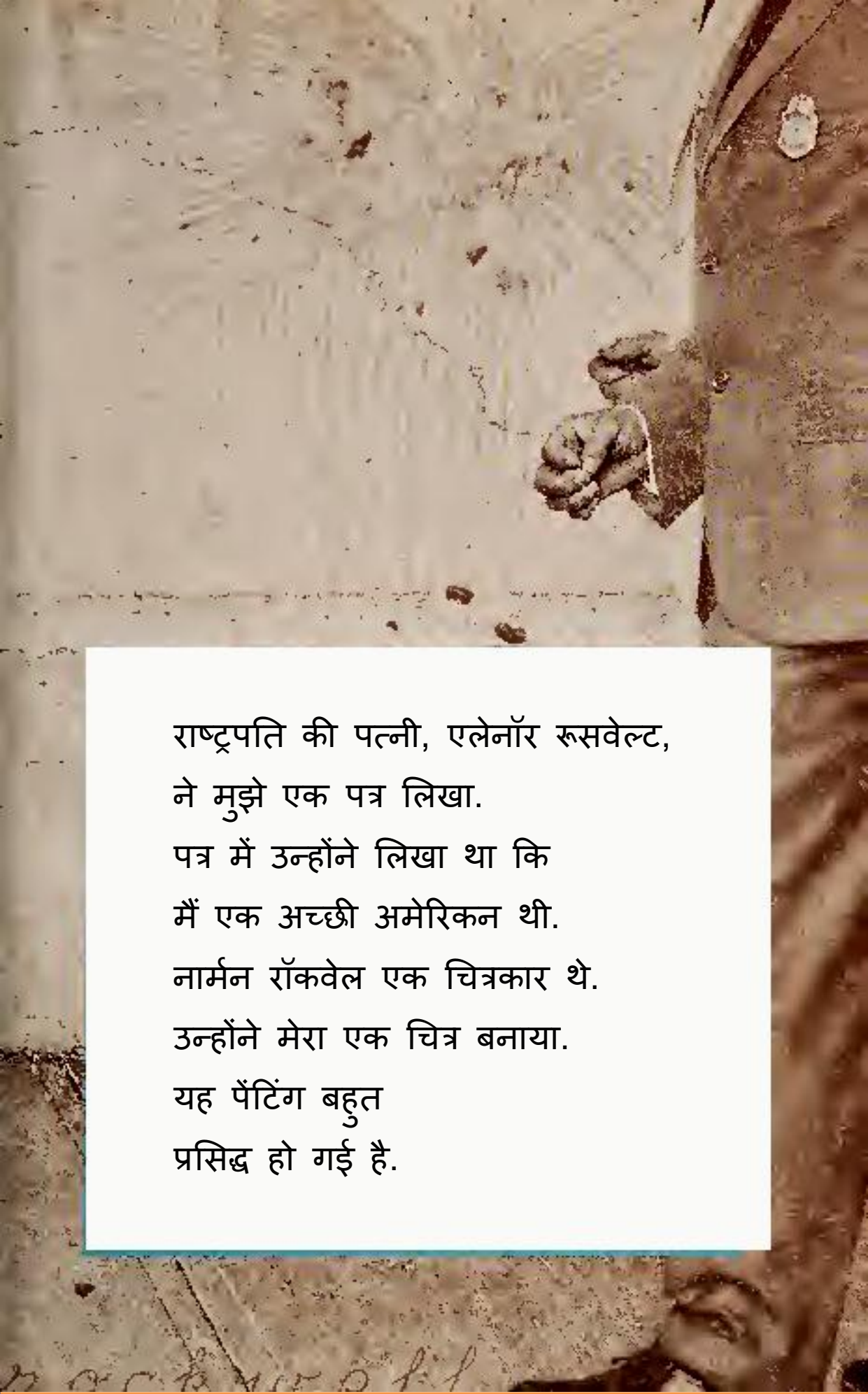
अब मैं बड़ी हो गई हूँ.

मेरा विवाह हो गया है.

मेरे अपने बच्चे हैं.

एक दिन

मिसेज़ हेनरी और मुझे

एक टीवी शो के लिया

आमंत्रित किया गया.

कई वर्षों के बाद

हम फिर से

एक-दूसरे से मिले थे.

अब हम अकसर आपस में बातें करते हैं.

अब अश्वेत बच्चे और श्वेत बच्चे एक ही
स्कूल में पढ़ने के लिए जा सकते हैं.
मुझे स्कूलों में जाना अच्छा लगता है.
मैं बच्चों को अपनी कहानी सुनाती हूँ.

मैं बच्चों को बताती हूँ कि
अश्वेत लोग और श्वेत लोग
मित्र बन सकते हैं.

सबसे महत्वपूर्ण बात,
मैं बच्चों को समझाती हूँ
कि उन्हें एक-दूसरे के प्रति
दयालु होना चाहिये.

समाप्त

बहुत समय पहले श्वेत बच्चे
और अश्वेत बच्चे पढ़ने के लिए
एक ही स्कूल में न जा सकते थे.
मैंने इसे बदलने में सहायता की.